



उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान 10 फरवरी को होने वाला है। उसके लिए चुनाव प्रचार मंगलवार 8 फरवरी को समाप्त हो गया। प्रथम चरण का चुनाव प्रचार समाप्त होने से पहले कांग्रेस महासचिव और उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाड़ा तथा राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने हस्तियापुर में ट्रैक्टर पर बैठकर रोड शो किया और कांग्रेस उम्मीदवार के पक्ष में वोट देने की अपील की। इसी के साथ सचिन पायलट ने उत्तराखण्ड में मैंगला विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवार काजी निजामुद्दीन के पक्ष में भी प्रचार किया। इसके अलावा भी सचिन पायलट ने कई जनसभाओं को संबोधित करने के अलावा डोर डोर जनसंपर्क भी किया।

भाजपा विधायक दल की बैठक, सदन में सत्ता पक्ष को घेरने की रणनीति बनाई

जयपुर, 8 फरवरी (का.सं.)। भाजपा विधायक दल की बैठक में नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया की अध्यक्षता में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया, उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, सचेतक जोगेश्वर गर्ग, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सहित पार्टी के 60 से अधिक विधायक मौजूद रहे। वहीं, राजस्थान विधानसभा का बजट सत्र इस बार हंगामेदार रहने के आसार हैं। भाजपा ने सत्तापक्ष को घेरने की रणनीति तैयार कर ली है। विधानसभा सत्र को लेकर भाजपा विधायक दल की बैठक हुई। बैठक में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया पर हुए हमले की निंदा की गई, साथ ही विधानसभा में रीट की सीबीआई जांच, प्रदेश की कानून व्यवस्था, महिला अपराध, किसानों की जमीन नीलामी, बेरोजगारी सहित विवादिक मामलों के मुद्दों पर सत्ता पक्ष को घेरने की रणनीति बनाई गई है।

भाजपा विधायक दल की बैठक में रीट पेर लीक मामले की सीबीआई जांच की मांग और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया पर बुंदेली जिले में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए

रीट की सी.बी.आई. जांच की मांग उठाई जाएगी। सतीश पूनिया पर हमले की घटना पर निंदा प्रस्ताव पारित किया गया

हमले, अलवर मुक बधिर नाबालिग पीड़िता मामला, किसान कर्जमाफी, महिला सुरक्षा इत्यादि मुद्दों पर आर पर की लड़ाई लड़ने की रणनीति पर चर्चा हुई और सतीश पूनिया पर हमले के खिलाफ निंदा प्रस्ताव भी पारित किया गया। भाजपा विधायक दल की बैठक में गुलाब चंद कटारिया, राजेंद्र राठौड़ और सतीश पूनिया सहित 60 से अधिक विधायक जनहित के मुद्दों व सतीश पूनिया पर हमला मामले में एकजुट दिखे तो वसुंधरा राजे के समर्थन में सिर्फ प्रताप सिंह सिंघवी ही दिखे, जिन्हें भी अनुशासन में रहने की हिदायत दी गई।

विधायक दल की बैठक में गुलाबचंद कटारिया, राजेंद्र राठौड़, सतीश पूनिया और जोगेश्वर गर्ग ने संबोधित किया।

वहीं रीट पेर लीक मामले की सी.बी.आई. जांच की मांग को लेकर

- भाजपा विधायक दल की बैठक में कटारिया, पूनिया और राठौड़ के समर्थन में 60 से अधिक विधायक, राजे के समर्थन में सिर्फ सिंघवी बोले।
- बारां मामले पर भी कटारिया, राठौड़ और पूनिया सहित 60 से अधिक विधायकों ने वसुंधरा की नहीं चलने दी, कहा प्रदेश नेतृत्व निर्णय लेगा।
- रीट और सतीश पूनिया पर हमले के मामले में वसुंधरा और सिंघवी को छोड़कर सभी विधायक एकजुट दिखे।

महात्मा गांधी सर्किल पर भाजपा विधायकों के घरने में गुलाबचंद कटारिया, सतीश पूनिया, राजेंद्र राठौड़ वसुंधरा राजे सहित लगभग 67 विधायक मौजूद थे। विधायकों के घरने में वसुंधरा राजे लगभग डेढ़ घंटे देरी से पहुंचे और अपने साथ एकमात्र विधायक प्रतापसिंह सिंघवी को लेकर पहुंचे। यह भी सिंघवी चर्चा का विषय बन चुका है कि भाजपा विधायकों के घरने

में वसुंधरा राजे के बिना ही 65 विधायक पहुंच गये, और शायद वसुंधरा राजे को उम्मीद थी उनके बिना काफी विधायक घरने में नहीं आएंगे, लेकिन इसके उलट हुआ और नई सिंघवी चर्चा को जन्म दे दिया कि विधायक भी अब संगठन के नेतृत्व को मजबूती व अनुशासन को पूरी तरह अनसुरण करने लग गये हैं, जो भविष्य का बड़ा संकेत है। चर्चा यह भी है कि, जब वसुंधरा

जयपुर में दिनदहाड़े बंदूक की नौक पर बैंक में 15 लाख रू. की लूट

चौमू हाउस सर्किल स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में दो नकाबपोश बदमाशों ने 20 मिनट में वारदात को अंजाम दिया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 8 फरवरी। राजधानी जयपुर में चौमू हाउस सर्किल स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में मंगलवार सुबह दो बदमाश दिनदहाड़े 15 लाख रू. लूट ले गये। बंदूक की नौक पर नकाबपोश बदमाशों ने बैंक प्रबंधक मुकेश चौधरी व 10 ग्राहक व कर्मचारियों को बाथरूम में बंद कर दिया और 20 मिनट में वारदात को अंजाम दिया। इससे पहले लुटेरों ने दहशत फैलाने के लिए बाथरूम के गेट पर फायरिंग की और बैंककर्मों की स्कूटी से फरार हो गए। बदमाश एक ग्राहक से करीब पांच हजार रूपए भी लूटकर ले गए और कई लोगों के मोबाइल फोन भी छीने, जिनमें भागते समय इधर-उधर फेंक गए। सूचना पर डीसीपी मुदुल कच्छवा सहित आलाधिकारी मौके पर पहुंचे। एफएसएल टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस की आठ टीमों में इस पूरी वारदात

- बैंक के सी.सी.टी.वी. कैमरे और अलर्ट सिस्टम बंद था, गार्ड भी मौजूद नहीं था।
- पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में लिया, जांच के लिए आठ टीमें गठित।

के खुलासे में जुटी हुई है। हालांकि पुलिस ने एक संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया है, जिससे पूछताछ की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, मंगलवार सुबह दो नकाबपोश बदमाश सुबह करीब 10 बजे परिवहन मार्ग पर मिशन कम्पाउंड की तरफ से पैदल आए। इनमें से एक बदमाश बैंक के अंदर घुस गया और दूसरा बाहर हथियार के साथ गहरा देता रहा। अंदर घुसे बदमाश ने गन पॉइंट पर सबसे पहले एक बैंककर्मों और दो ग्राहकों को लिया। इसके बाद बैंक प्रबंधक मुकेश चौधरी समेत करीब 10 ग्राहकों और कर्मचारियों को बाथरूम में बंद कर दिया। इसके बाद

कैशियर महेंद्र सिंह की कनपटी पर पिस्तौल लगाकर उससे लॉकर की चाबी मांगी। लॉकर में से बदमाश करीब 15 लाख रूपए बैंग में भरकर बाहर आ गया और बाथरूम के गेट पर एक राउंड फायर कर दहशत फैला दी। इसके बाद बैंक के बाहर खड़ी किसी बैंककर्मों की स्कूटी लेकर दोनों फरार हो गए। बदमाशों ने महज बीस मिनट में पूरी वारदात को अंजाम दे दिया। डीसीपी मुदुल कच्छवा ने बताया कि, पुलिस की आठ टीमों वारदात के खुलासे के लिए लगाई गई हैं। पुलिस को कुछ अहम सुराग हाथ लगे हैं। जल्द वारदात का खुलासा कर दिया जाएगा। बैंक के बाहर एक सीसीटीवी में

बदमाशों के फरार होने के फुटेज रिकॉर्ड हुए हैं। बंद बदमाश पैदल दिख रहा है, जबकि दूसरा स्कूटी लेकर आता है। फिर दोनों स्कूटी पर बैठकर मौके से निकल जाते हैं।

डीसीपी ने बताया कि, पुलिस की तरफ से बार-बार समझाईश और पत्र लिखने के बाद भी वित्तीय संस्थान सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं। इस पूरी वारदात में बैंक की बड़ी लापरवाही सामने आई है। ताज्जुब की बात है 22 जनवरी से बैंक के सीसीटीवी कैमरे बंद पड़े हुए थे। अलार्म सिस्टम तक ठप पड़ा हुआ था। बैंक परिसर में एटीएम बूथ के बावजूद वहां कोई गार्ड तैनात नहीं था।

संभावना जताई गई है कि बैंक की सुस्ती देख बदमाशों ने उसे लूटने का प्लान बनाया और वारदात को अंजाम दे दिया। यदि बैंक मुसूदे होती तो समय रहते बदमाश पुलिस की गिरफ्त में होते।



टेलीविजन पर मशहूर पौराणिक धारावाहिक "महाभारत" में "भीम" के किरदार को जीवंत करने वाले कलाकार प्रवीण कुमार का सोमवार देर रात निधन हो गया। वे 74 वर्ष के थे और लंबे समय से बीमार थे। प्रख्यात फिल्म निर्देशक वी आर चोपड़ा के निर्देशन में "महाभारत" में भीम के किरदार से प्रवीण को काफी लोकप्रियता मिली थी। बाद में उन्होंने कई फिल्मों में भी काम किया। उनके परिवार में पत्नी, पुत्री, दो भाई और एक बहन हैं। उल्लेखनीय है कि, प्रवीण कुमार अभिनेता होने के साथ एक एथलीट भी थे। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय एथलीटिक प्रतियोगिताओं में हैमर थ्रो और डिस्कस थ्रो स्पर्धा में उन्होंने देश का प्रतिनिधित्व किया था और सन् 1966 के राष्ट्रमंडल खेलों में हैमर थ्रो में रजत पदक जीता था। इसके अलावा 1966 और 1970 के एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक हासिल किया था।

आजम खान को जमानत नहीं मिली

नई दिल्ली, 8 फरवरी (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को समाजवादी पार्टी सांसद आजम खान को अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया।

न्यायमूर्ति एल. नागेश्वर राव की अध्यक्षता वाली पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री आजम खान की सतत प्रचार में शामिल होने के लिए अंतरिम जमानत देने की गुहार वाली याचिका खारिज कर दी। पीठ ने याचिकाकर्ता का पक्ष रख रहे वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल से कहा कि वह (आजम खान) जमानत के लिए उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर शीघ्र सुनवाई की गुंजाइश कर सकते हैं।

खान ने अपनी याचिका में राज्य की भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार पर आरोप लगाया था कि वह उनसे संबंधित अदालती मामलों की प्रक्रिया आगे बढ़ाने में जानबूझकर देरी कर रही है। इसी वजह से उन्हें अंतरिम जमानत के लिए शीघ्र अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ा।

कर्नाटक में हिजाब के संबंध में छात्रों का प्रदर्शन हिंसक हुआ

स्थिति बिगड़ती देख मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई ने स्कूल-कॉलेजों में तीन दिन की छुट्टी की घोषणा की

बेंगलुरु, 8 फरवरी (वार्ता)। कर्नाटक के कॉलेज परिसरों में हिजाब और भगवा स्कार्फ पर प्रतिबंध के विरोध में मंगलवार को छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान बागलकोट में पथराव की सूचना मिली है।

- कर्नाटक के कई कॉलेज परिसरों में हिजाब और भगवा स्कार्फ पर प्रतिबंध के विरोध में मंगलवार को छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया। यहां एक कॉलेज में हुई हिंसक झड़प में तीन छात्र घायल हो गये।

पुलिस ने कहा, यह झड़प हिजाब पहने छात्रों और भगवा स्कार्फ में आए एक अन्य छात्रों के बीच हुई। बहस के बाद हुई। पुलिस ने कहा कि इस विवाद को लेकर हुए झड़प में तीन छात्र घायल हो गए हैं। तनाव बढ़ने पर रबाकविबनहट्टी के गवर्नमेंट प्री-

यूनियनसिटी कॉलेज प्रबंधन ने छुट्टी की घोषणा कर दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक लक्ष्मीप्रसाद और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। वहीं विजयपुरा जिला स्थित शांतिशर प्री यूनियनसिटी कॉलेज के प्रवेश द्वार पर

स्थिति को नियंत्रित कर लिया। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने राज्य में शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब और भगवा स्कार्फ पहनने को लेकर बढ़ते विवाद को देखते हुए हाई स्कूल और कॉलेजों में अगले तीन दिनों तक छुट्टी की

जयपुर जिले ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) जिसमें आरोप लगाया गया था कि कंपनी पर्याप्त जमीन और संबंधित एजेंसियों से आवश्यक मंजूरी के बिना भूखंडों की बुकिंग कर रही है। पुलिस ने कहा कि राणा के सामने आने के बाद से इस मामले में करीब तीन करोड़ रुपये की कुल 51 शिकायतें मिली हैं। निवेशकों से जुटाए गए पैसे को कंपनी के निदेशकों ने कथित तौर पर हड़प लिया। कंपनियों के रजिस्ट्रार से एकाग्र किए गए रिकॉर्ड ने स्थापित किया कि आरोपी और एक अन्य फरार आरोपी कमल सिंह निदेशक हैं और कंपनी में प्रत्येक की 50 प्रतिशत हिस्सेदारी है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने निवेशकों को प्रस्तावित भूखंडों और सुविधाओं के भविष्य के मूल्य के बारे में झूठे सपने दिखाकर अपनी ओर आकर्षित किया।

अडानी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) वी.एन.एल.) की ओर से प्रस्तुत हुये अर्दानी जनरल के.के. वेणुगोपाल ने मुख्य न्यायाधीश एन.वी. रमना की अध्यक्षता वाली बैंक को अडानी पावर (मुद्रा) लिमिटेड के साथ हो चुके समझौते के बारे में बताया, इसलिए बैंक को अदालत के 2019 के उस फैसले के खिलाफ दायर की गई याचिका की सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी, जिस फैसले में इस प्राइवेट फर्म के पावर परचेज एग्रीमेंट (पी.पी.ए.) को समाप्त करने के फैसले को बहाल रखा गया था। बैंक, जिसमें न्यायमूर्ति यू.यू. ललित, डी.वाई. चन्द्रचूड़, भूपण आर. गार्ड तथा सूर्य कान्त शामिल थे, ने कहा कि, बैंक इस बात को रिकॉर्ड पर लेते हुये इस केस को बंद कर देगी कि, दोनों पक्ष सेंट्रलमेंट एग्रीमेंट द्वारा निर्यात रहेंगे।

अडानी परिवार ने पी.पी.ए. को रद्द कर दिया था, क्योंकि गुजरात मिनरल डवलपमेंट कॉर्पोरेशन कोबला-आपूर्ति नहीं कर रहा था तथा सर्ववित्तित है कि, बिजली की आपूर्ति काले की सप्लाई पर निर्भर होती है। गुजरात इलैक्ट्रिसिटी रेग्युलेटरी कमीशन ने इसे गैर कानूनी माना, लेकिन जुलाई 2019 में सर्वोच्च न्यायालय की तीन जजों की बैंक ने अडानी के कार्य को कानून सम्मत तथा वैध माना तथा सेंट्रल इलैक्ट्रिसिटी रेग्युलेटरी कमीशन से कहा कि, यह अडानी पावर द्वारा स्टेट पी.एस.यू. को दी गई बिजली के लिये क्षतिपूर्क शुल्क तय करे। कमीशन ने अडानी पावर को 1100 करोड़ रू. का मुआवजा दिया जाना तय किया था।

'राहुल गांधी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) अहमदाबाद में पत्रकारों से बातचीत करते हुये, श्रीमती सिद्ध ने कहा कि, सर्वोच्च पद के लिए किसी व्यक्ति का चयन करते समय उसकी शिक्षा पर विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि, राहुल गांधी को गुमराह किया गया जिसके कारण उन्होंने चरणजीत चन्नी को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया। उन्होंने कहा, उनके पति सिद्ध मुख्यमंत्री प्रत्याशी होने के लिये सबसे उपयुक्त उम्मीदवार हैं। ज्ञातव्य है कि राहुल ने शनिवार को लुधियाना की एक सभा में मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में चन्नी के नाम की घोषणा की थी।

राहुल द्वारा मुख्यमंत्री पद का प्रत्याशी न बनाये जाने से नवजोत सिंह सिद्ध आहत हुये, लेकिन अब तक वे खामोश हैं। उनके समर्थकों का कहना है कि, वे एक-दो दिन में विरोध की अपनी रणनीति उजागर कर सकते हैं। इन लोगों का कहना है कि पत्नी की टिप्पणी से उनका (सिद्ध का) कोई लेना-देना नहीं है।

चैगसस द्वारा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) प्रतिबद्ध लोगों ने इस बात का पूरा खुलासा कर दिया है कि, इजरायल की सर्वलैस फर्म एन.एस.ओ. ग्रुप ने पैगसस जासूसी सॉफ्टवेयर आधिकारिक एवं प्रामाणिक सरकारों को बेचा था, जिन्होंने इसे फोन हक करने के काम में लिया। अब इजरायल सरकार ने कहा है कि, वह इन दावों की खानबिन करेगी कि, इजरायली पुलिस ने अदालती आदेश के बिना इस स्वयंचेयका का उपयोग यहाँ के नागरिकों के खिलाफ किया था। न्यूयॉर्क टाइम्स का कहना है कि, इन आरोपों के कारण इजरायल के पूर्व प्रधानमंत्री बैजामिन नेतान्याहू के भ्रष्टाचार संबंधी मुकदमे में भी थोड़ा सा

विलम्ब हो गया है, क्योंकि ये दावे किये गये हैं कि, पुलिस ने मुकदमे के एक मुख्य गवाह का फोन गैर कानूनी तौर पर हक कर लिया था। इजरायली मीडिया ने पिछले माह ऐसे दावों की जानकारी देना शुरू कर दिया था कि, इजरायली पुलिस ने एन.एस.ओ. के प्रमुख उत्पाद, पैगसस का उपयोग, स्थानीय ऐक्टिविस्टों, राजनेताओं, व्यावसायिकों, अफसरशाहों तथा नेतान्याहू के आलोचकों तथा उनसे जुड़े लोगों के फोनों से जानकारी हासिल करने के लिये किया था। इजरायल के एक बिजनेस दैनिक ने ऐसे दर्जनों नागरिकों की सूची जारी की थी, जिनके फोन हक किये गये थे।

75,000 करोड़...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) होने वाले मराठी दैनिक "देशोत्रित" के संपादक प्रकाश पोहारे कहते हैं कि, एडवोकेट तिवारी द्वारा उठायी गया मुद्दा काफी गंभीर है क्योंकि लाखों लोगों को कोविड पॉजिटिव के फर्जी सर्टिफिकेट के आधार पर अस्पतालों में भर्ती कराया गया और वहां पर कथित उपचार के नाम पर लाखों रूपए वसूल गए। उन्होंने कहा कि लोगों को अपनी धन की रिकवरी के लिए इन अस्पतालों और अनधिकृत लैब्स के विरुद्ध मुकदमे दायर करने चाहिए।

मेघालय में वह कर दिखाया...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) वामपंथी विचारधारा कम से कम अपनी पकड़ तो बना ही रही है।

वास्तव में, पूरे देश के ये राजनीतिक घटनाक्रम भारतीय राजनीति में कुछ मूलभूत बदलावों का संकेत हैं।

भारत की पुरानी राजनीतिक पार्टी, कांग्रेस एक के बाद एक अपने आप जानाधार खो रही है। ऐसे लोग भी हैं, जो कांग्रेस के लिए यह भी कहते हैं कि इसमें नए प्रासंगिक विचारों की कमी है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं का एक गुट पार्टी संचालन के तरीकों में बदलाव के सुझाव देने और अपने खुले विरोध के लिए जाना जाता है। एक ही पार्टी का बोलबाला पार्टी को प्रतिस्पर्धात्मक स्पर्धा का निश्चित रूप से गला घोट रहा था। पार्टी के एक परिवार के प्रति निर्विवाद निशाने के कारण ही अक्षम लोगों को महत्व दिया जा रहा है।

कांग्रेस के जिन विधायकों ने कॉर्नराड संगमा के नेतृत्व वाली एम.डी.ए. गठबंधन सरकार को अपना समर्थन दिया, उन्होंने

कांग्रेस भी नहीं छोड़ी है। उन्होंने स्वयमेव अपने स्तर पर ही यह निर्णय लिया है। पांचों विधायकों ने एक पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने दावा किया है कि उनकी कार्यवाही राज्य के वरिष्ठ हित और उसके विकास के अनुरूप है। उनमें से किसी ने भी किसी तरह से यह संकेत नहीं दिया है कि वे अपनी पार्टी को छोड़कर किसी अन्य पार्टी में शामिल हो गए हैं। उन्होंने सिर्फ अपनी समझ से कॉर्नराड संगमा सरकार के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया है। पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी को लिखे एक पत्र में इन पांचों ने उम्मीद जतायी है कि, पार्टी आलाकमान उनकी इस कार्यवाही का समर्थन करेगा।

यह स्थिति गत वर्ष के अंतिम दिनों में पैदा हुई, जब तृणमूल कांग्रेस ने नेताओं को कांग्रेस से टी.एम.सी. में लाने की व्यवस्था की थी। उस समय, राज्य विधानसभा के 17 सदस्यों में से 12 सदस्य कांग्रेस छोड़कर तृणमूल में शामिल हो गये थे।

तथापि, शेष कांग्रेस विधायक अब एम.डी.ए. गठबंधन सरकार को समर्थन दे रहे

हैं तथा तृणमूल एकमात्र विपक्षी दल के रूप में पीछे छूट गई है। सामान्य तौर पर वैसे तो, इससे तृणमूल खुश होती तथा उसका उत्साह बढ़ गया होता। लेकिन पार्टी ने नाराजगी के साथ प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये कहा है कि, "सत्ता के भूखे" लोगों ने मौजूदा सरकार को समर्थन दिया है। पार्टी अक्षम सोनिया गांधी को लिखे एक पत्र में इन पांचों की सप्लाई पर निर्भर होती है। गुजरात इलैक्ट्रिसिटी रेग्युलेटरी कमीशन ने इसे गैर कानूनी माना, लेकिन जुलाई 2019 में सर्वोच्च न्यायालय की तीन जजों की बैंक ने अडानी के कार्य को कानून सम्मत तथा वैध माना तथा सेंट्रल इलैक्ट्रिसिटी रेग्युलेटरी कमीशन से कहा कि, यह अडानी पावर द्वारा स्टेट पी.एस.यू. को दी गई बिजली के लिये क्षतिपूर्क शुल्क तय करे। कमीशन ने अडानी पावर को 1100 करोड़ रू. का मुआवजा दिया जाना तय किया था।

तथापि, शेष कांग्रेस विधायक अब एम.डी.ए. गठबंधन सरकार को समर्थन दे रहे